Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 11

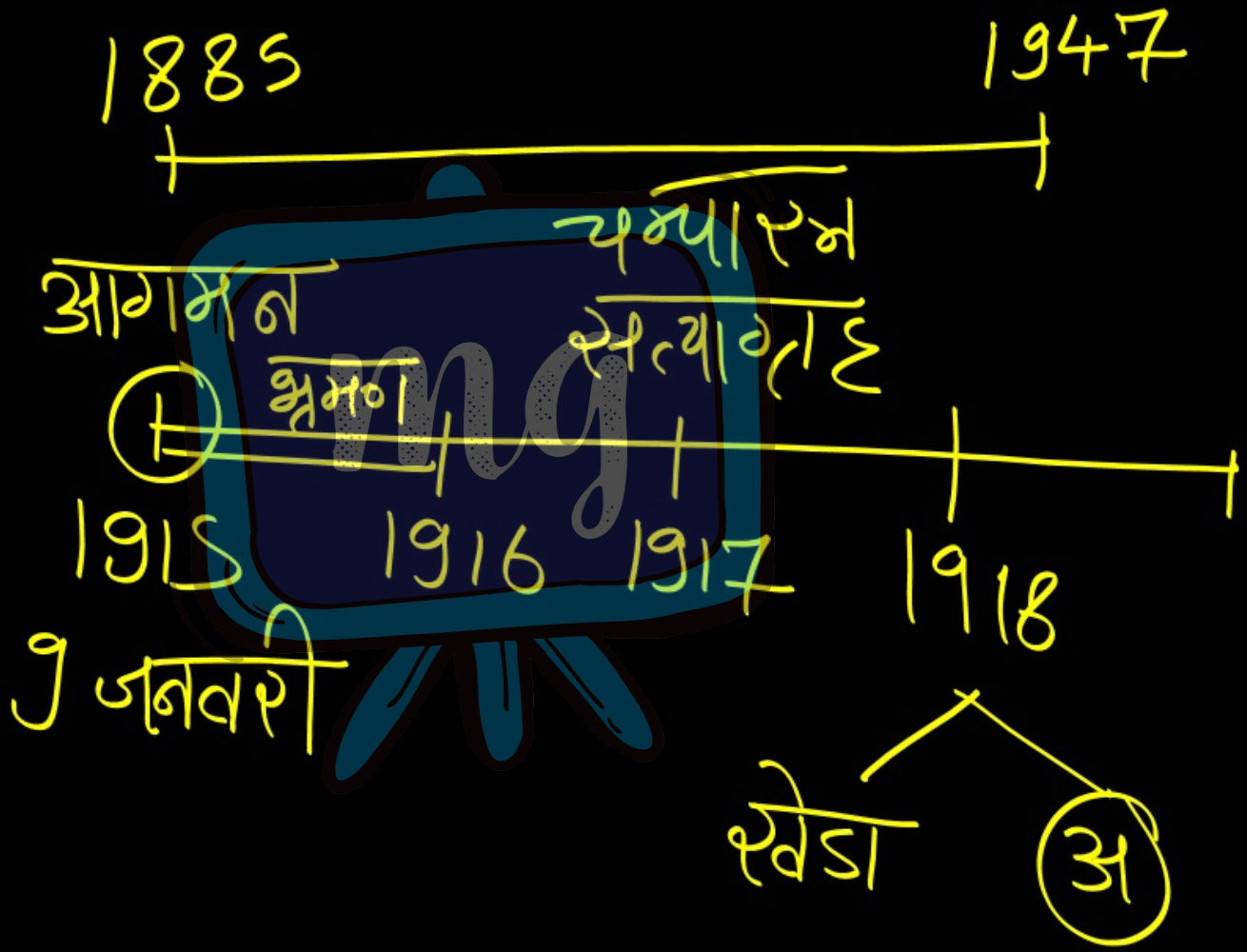
महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन

भाग - 2

प्रीतेश जोशी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

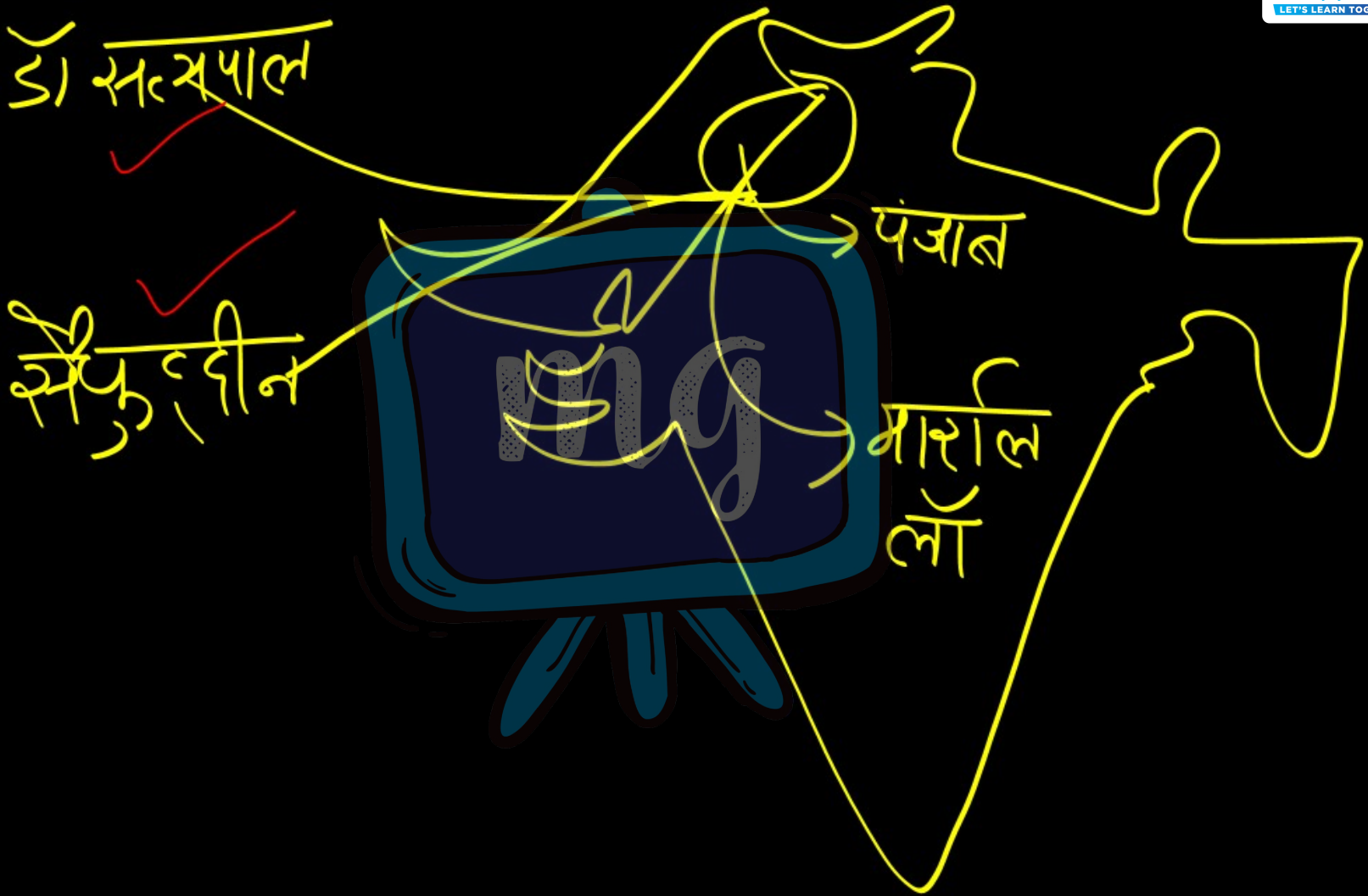


रॉलेट एक्ट आन्दोलन – 1919 ई.

- भारतीय प्रेस और अन्य आतंकी घटनाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता वाली एक समिति की संस्तुतियों के आधार पर इन कठोर उपायों को लागू किया गया।
- "बिना वकील, बिना अपील और बिना दलील का कानून"

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



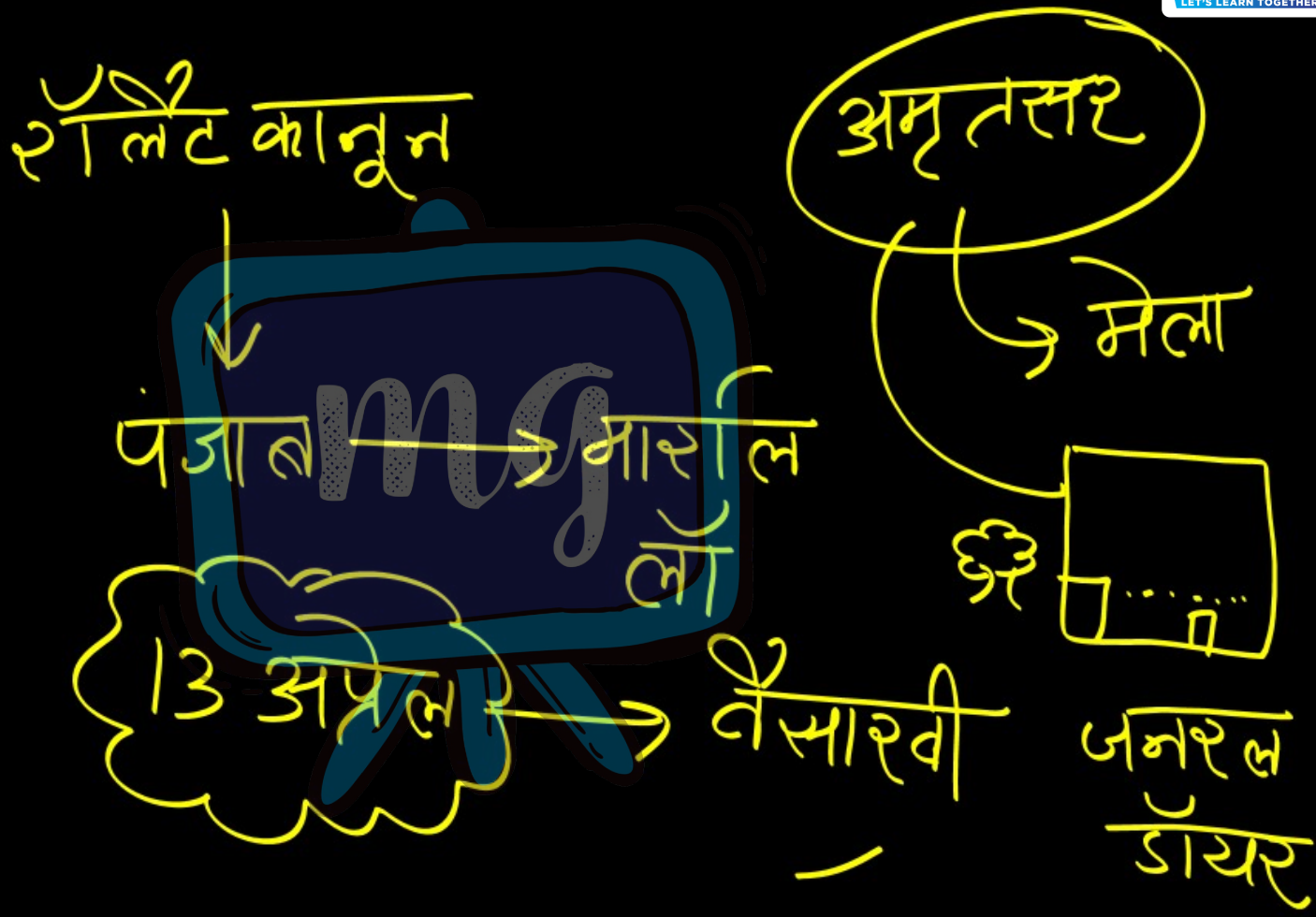
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- गाँधी जी ने देशभर में 'रॉलेट एक्ट' के खिलाफ एक अभियान चलाया और इसे 'काला कानून' कहा।
- पंजाब में विशेष रूप से कड़ा विरोध हुआ।
- पंजाब जाते समय गाँधी जी को कैद कर लिया गया।
- स्थानीय कांग्रेसजनों को गिरफ्तार कर लिया गया था।
  1. डॉ. सैफूद्दीन किचलु
  2. सत्यपाल गौतम
- पंजाब की स्थिति और तनावपूर्ण हो गयी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघु उत्तरीय प्रश्न

जलियांवाला बाग हत्याकांड – 13 अप्रैल, 1919

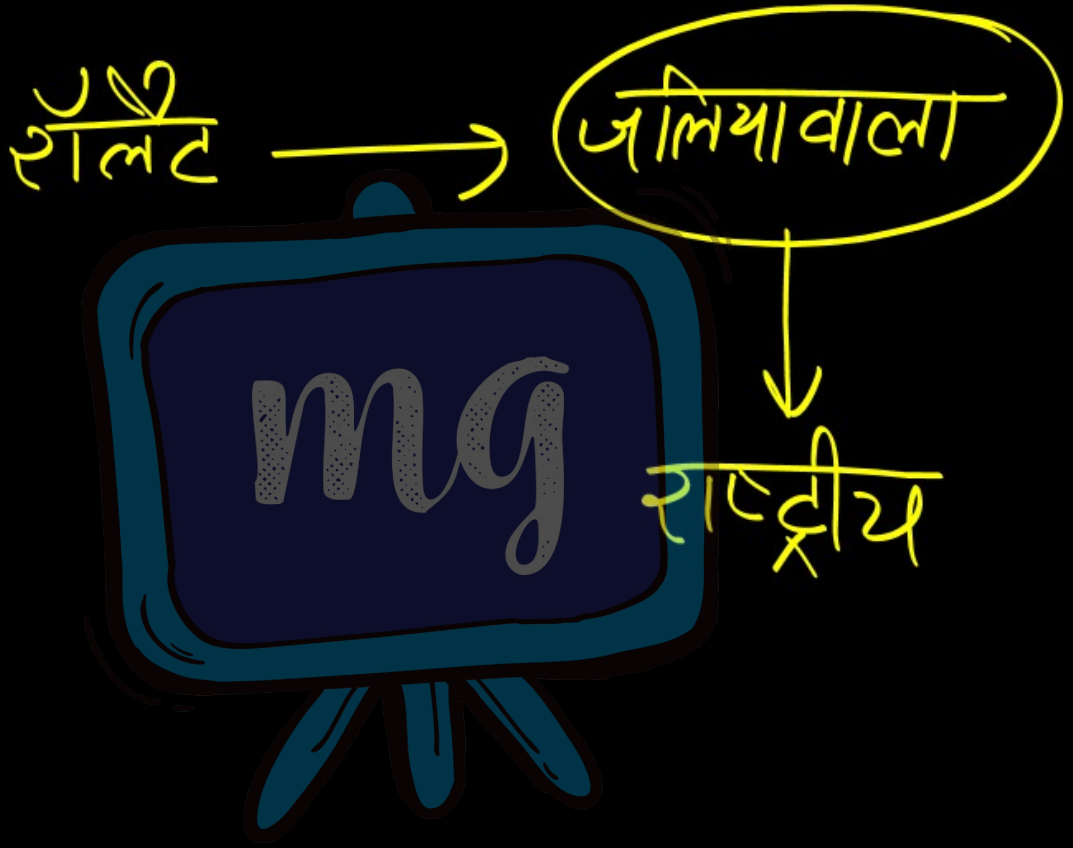
अमृतसर में अंग्रेज ब्रिगेडियर ने एक राष्ट्रवादी सभा पर गोली चलाने का हुक्म दिया तब जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड के नाम से जाने गए इस हत्याकाण्ड में चार सौ से अधिक लोग मारे गये।

100

1500+

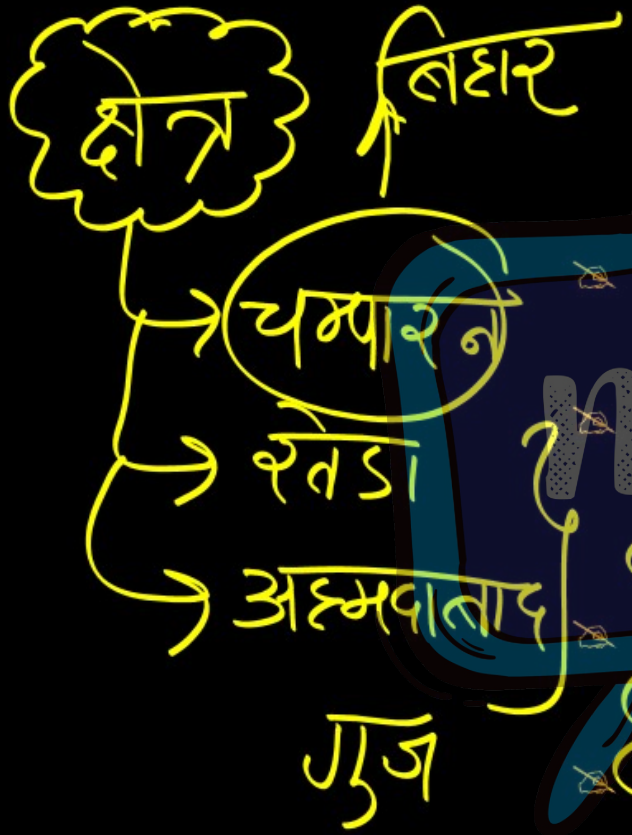
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



रॉलेट सत्याग्रह से ही गाँधी जी एक सच्चे राष्ट्रीय नेता बन गए।

- अब गाँधी जी ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ 'असहयोग' अभियान की माँग कर दी।
- जो भारतीय उपनिवेशवाद का खात्मा करना चाहते थे उनसे आग्रह किया गया कि वे स्कूल, कॉलेज और न्यायालय न जाएँ तथा कर न चुकाएँ।
- गाँधी जी ने कहा कि यदि असहयोग का ठीक ढंग से पालन किया जाये तो भारत एक वर्ष के भीतर स्वराज प्राप्त कर लेगा।
- अपने संघर्ष का विस्तार करते हुए उन्होंने खिलाफत आंदोलन के साथ हाथ मिला लिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रॉलैट → जलियावाला



रॉलैट ✓

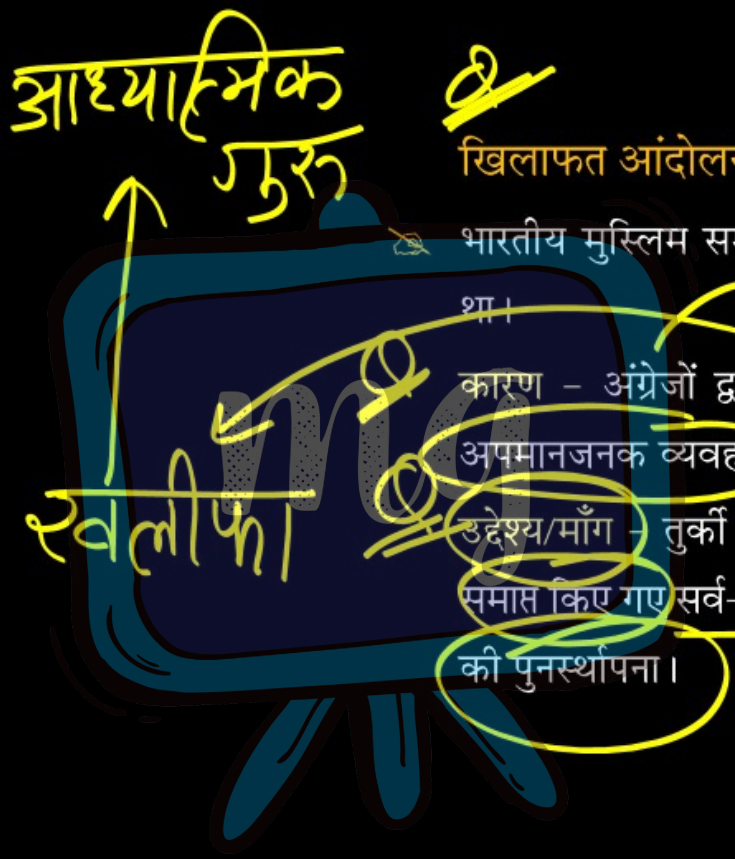
रवलाफत + असहयोग

जलियावाला ✓

सत्याग्रह (1919)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



खिलाफत आंदोलन :-

- भारतीय मुस्लिम समुदाय का अंग्रेजों के खिलाफ था।
- कारण – अंग्रेजों द्वारा तुर्की के शासक के साथ अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा था।
- उद्देश्य/माँग – तुर्की शासक कमाल आतातुर्क द्वारा समाप्त किए गए सर्व-इस्लामवाद के प्रतीक खलीफा की पुनर्स्थापना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्रोत

"अली बन्धु"

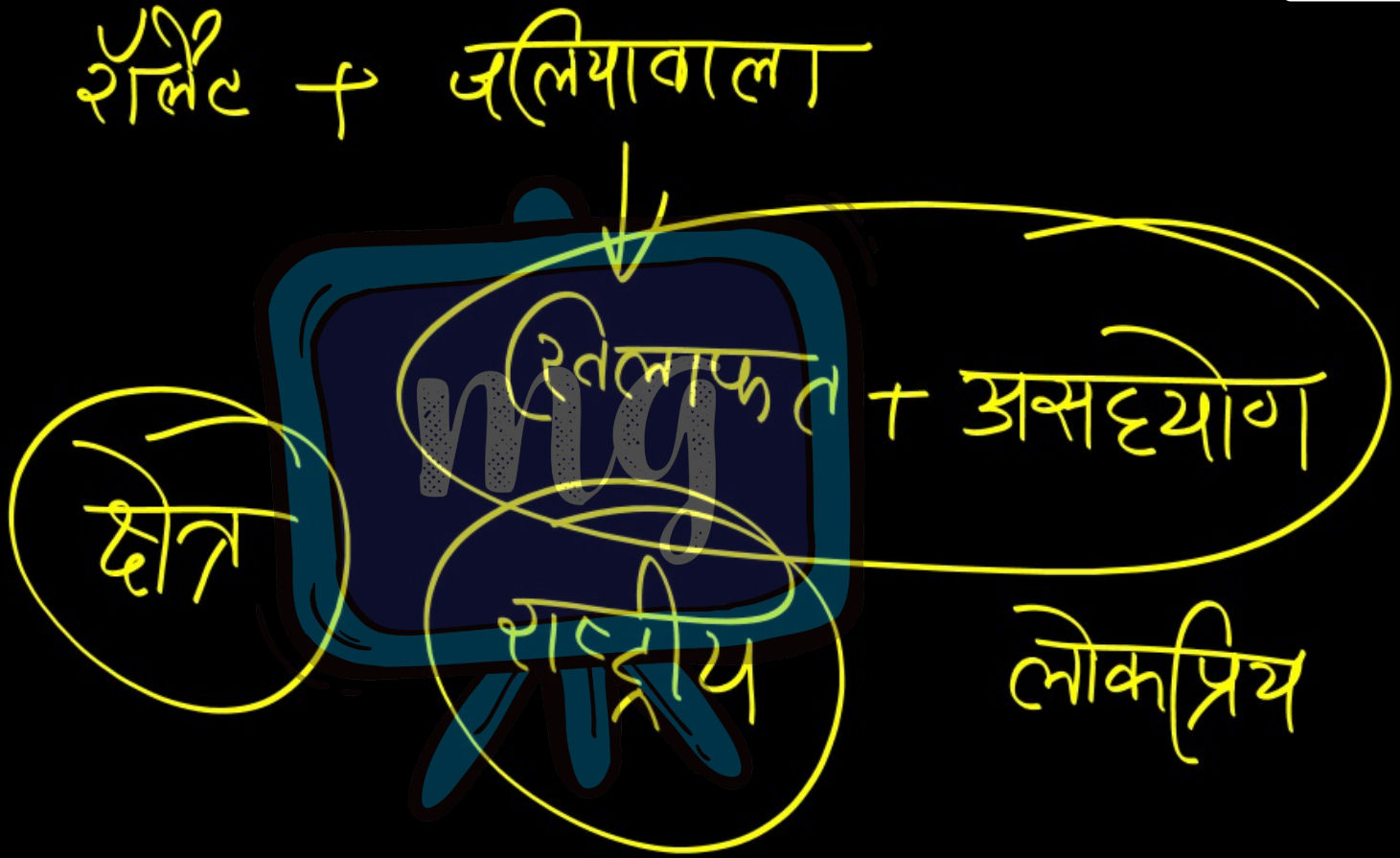
हिन्दू + मुस्लिम

खिलाफत आंदोलन क्या था ?

खिलाफत आंदोलन (1919-1920) मुहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों का एक आंदोलन था। इस आंदोलन की निम्नलिखित माँगे थी - पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियंत्रण बना रहे, जजीरात-उल-अरब (अरब, सीरिया, इराक, फिलिस्तीन) इस्लामी सम्प्रभुता के अधीन रहें तथा खलीफा के पास इतने क्षेत्र हों कि वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बन सके। कांग्रेस ने इस आंदोलन का समर्थन किया और गाँधी जी ने इसे असहयोग आंदोलन के साथ मिलाने की कोशिश की।

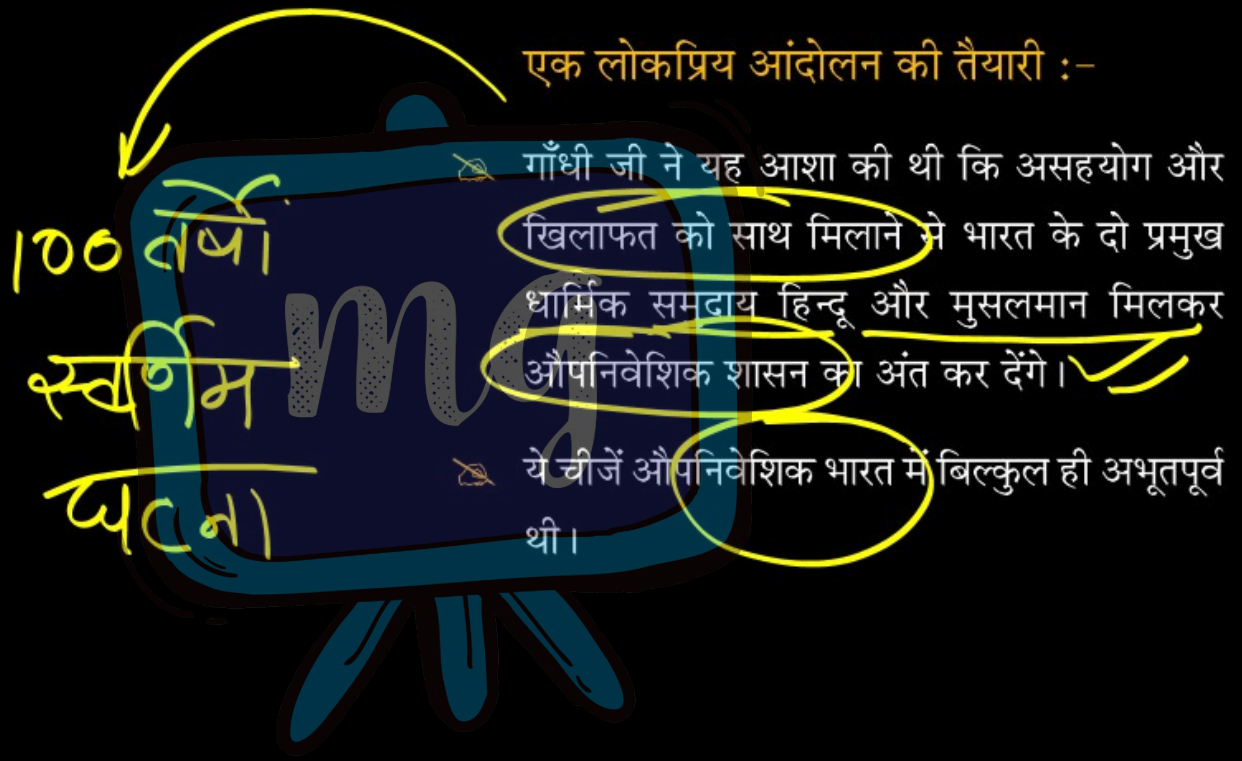
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

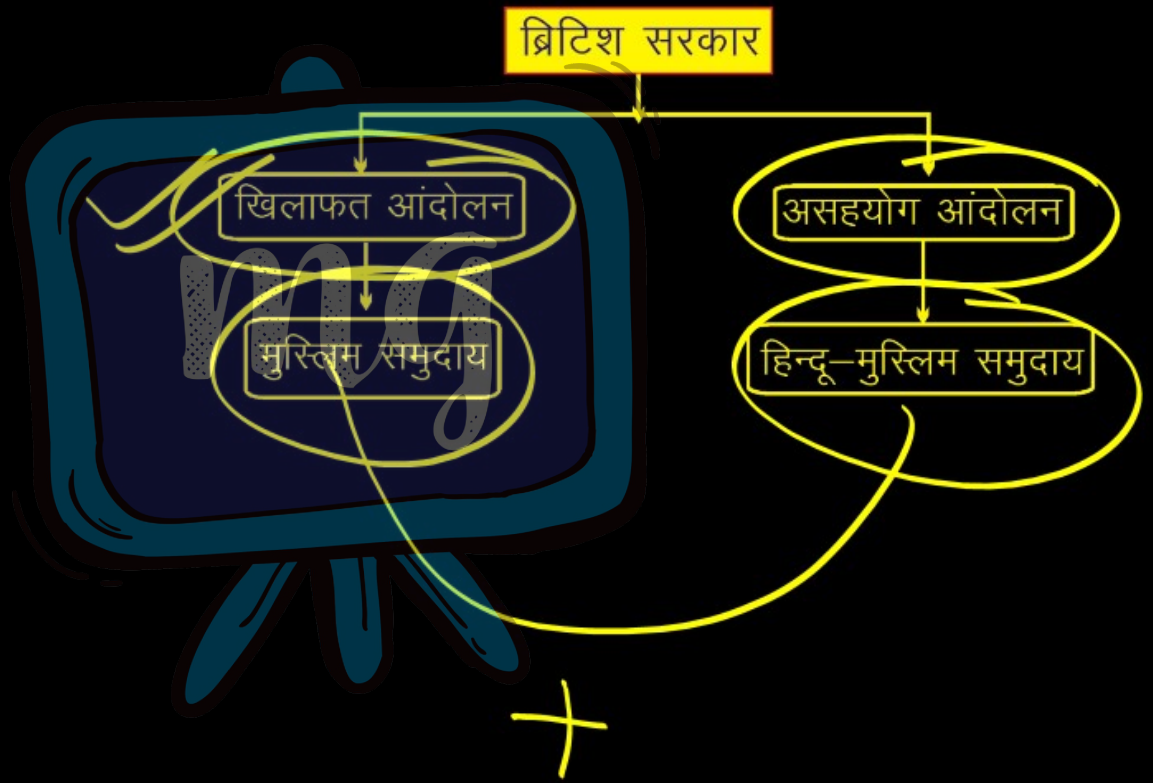


एक लोकप्रिय आंदोलन की तैयारी :-

- गाँधी जी ने यह आशा की थी कि असहयोग और खिलाफत को साथ मिलाने से भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय हिन्दू और मुसलमान मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत कर देंगे।
- ये चीजें औपनिवेशिक भारत में बिल्कुल ही अभूतपूर्व थी।

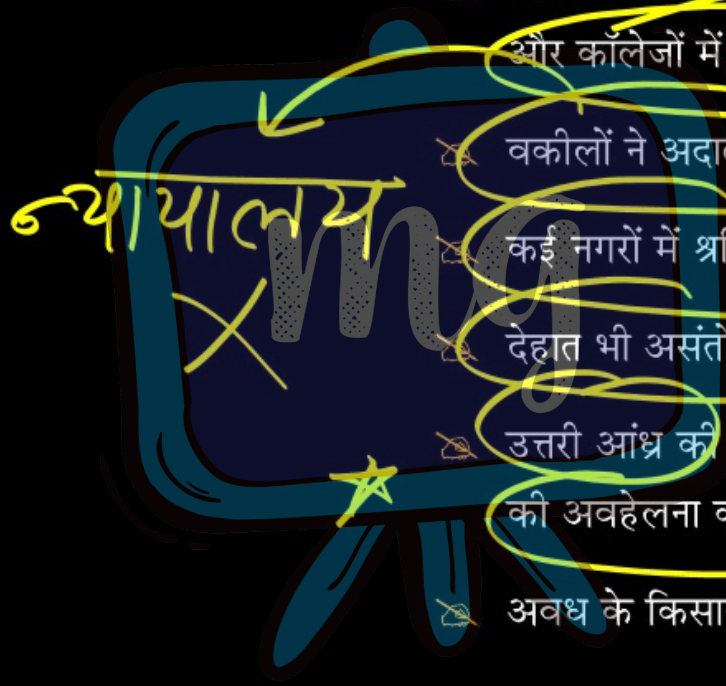
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना छोड़ दिया।
- वकीलों ने अदालत में जाने से मना कर दिया।
- कई नगरों में श्रमिक-वर्ग हड़ताल पर चले गये।
- देहात भी असंतोष से आंदोलित हो रहा था।
- उत्तरी आंध्र की पहाड़ी जनजातियों ने वन्य कानूनों की अवहेलना कर दी।
- अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए।

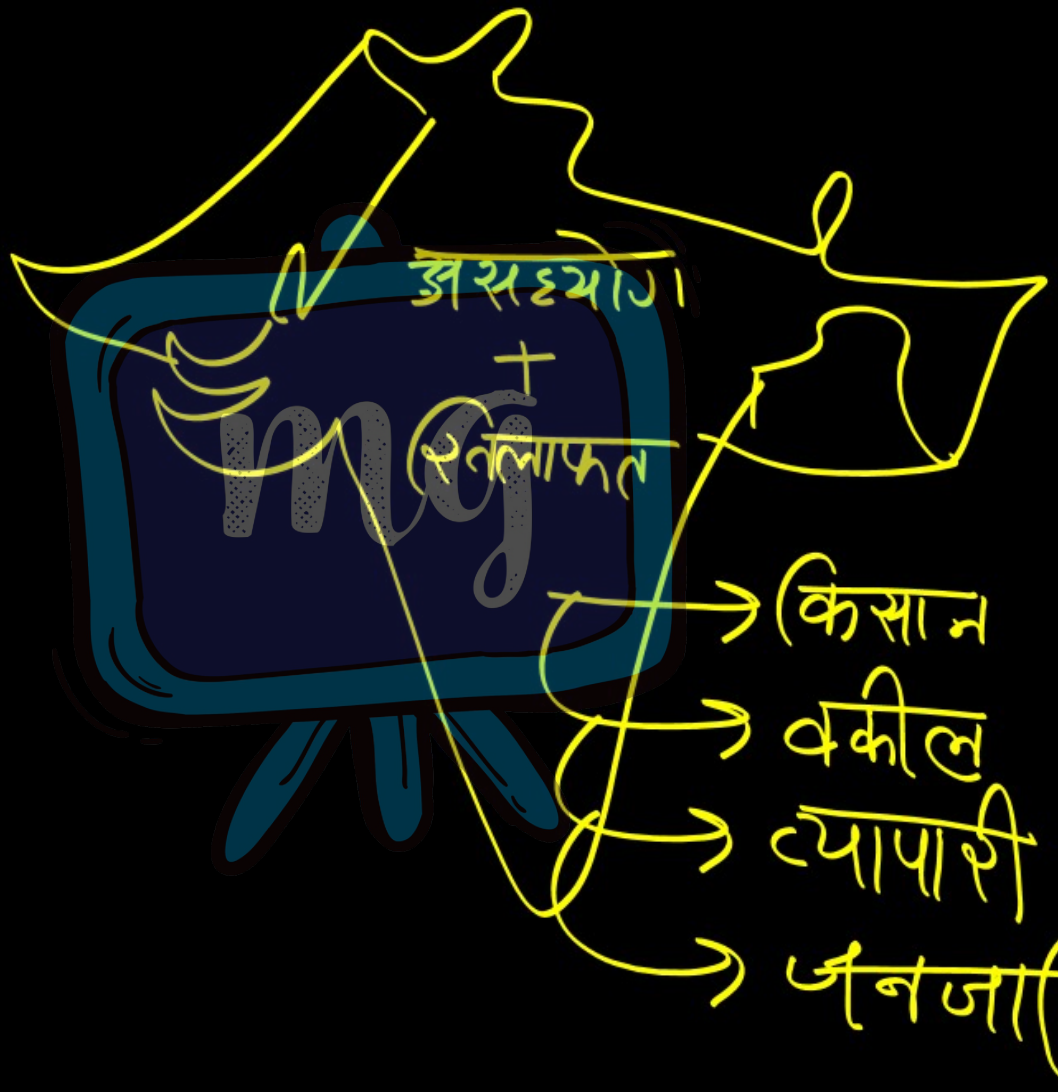
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढोने से मना कर दिया।
- 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार असहयोग आंदोलन के परिणामस्वरूप अंग्रेजी राज की नींव हिल गई।
- आंदोलन में कई स्थानों पर राष्ट्रवादी नेतृत्व की अवज्ञा की गई।
- इसके लिए परित्याग और स्व-अनुशासन आवश्यक था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

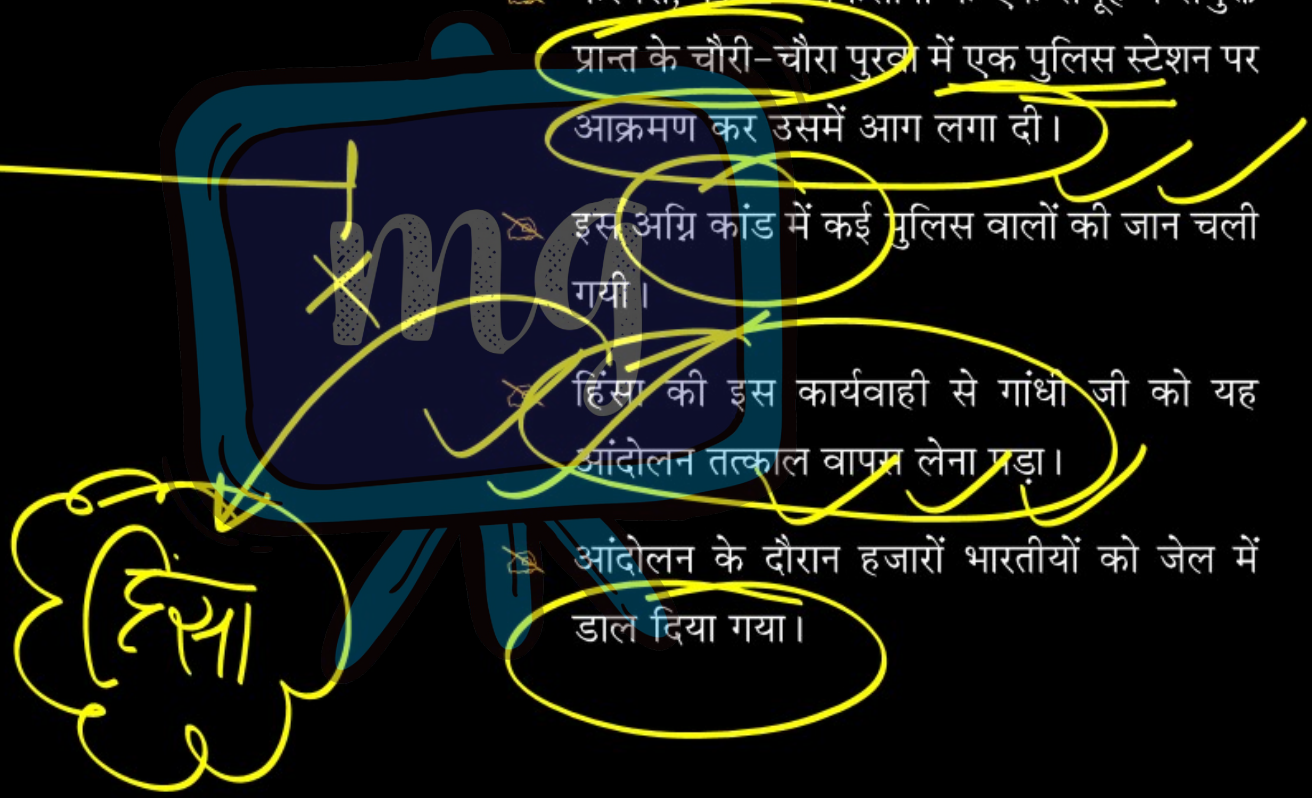
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- फरवरी, 1922 में किसानों के एक समूह ने संयुक्त प्रान्त के चौरी–चौरा पुरवा में एक पुलिस स्टेशन पर आक्रमण कर उसमें आग लगा दी।
- इस अग्नि कांड में कई पुलिस वालों की जान चली गयी।
- हिंसा की इस कार्यवाही से गांधी जी को यह आंदोलन तत्काल वापस लेना पड़ा।
- आंदोलन के दौरान हजारों भारतीयों को जेल में डाल दिया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- स्वयं गांधी जी को मार्च, 1922 में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।
- जज ब्रुमफील्ड ने गांधी जी को 6 वर्षों की जेल की सजा सुनाई।
- लेकिन जज ब्रूमफील्ड ने कहा कि – ''यदि भारत में घट रही घटनाओं की वजह से सरकार के लिए सजा के इन वर्षों में कमी और आपको मुक्त करना संभव हुआ तो इससे मुझसे ज्यादा कोई प्रसन्न नहीं होगा।''

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



लोकप्रिय → असहयोग

वकील → व्यापारी

किसान → मजदूर वर्ग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. रॉलेट सत्याग्रह ने महात्मा गाँधी को एक राष्ट्रीय स्तर के नेता के तौर पर उभारा?

Q. असहयोग आन्दोलन को किस कारण से रोका गया?

Q. महात्मा गाँधी खिलाफत और असहयोग आन्दोलन को क्यों जोड़ना चाहते थे?